Title: Requested to stop the activities of Narmada Bachao Andolan and to stop Medha Patkar from allegedly spreading violence in the tribal areas of Madhya Pradesh.

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा (धन्धुका) : सभापति महोदय, गुजरात के अंदर नर्मदा योजना बन रही है। उसके बारे में सारे देश को ही नहीं, पूरे एशिया को जानकारी है। लेकिन मेधा पाटकर - नर्मदा बचाओ आंदोलन - के नाम पर जन आंदोलनकर्ता का मुखौटा पहन कर पूरे देश में एक जाल बिछा रही हैं। सारे देश में इनकी लगभग 30 सहयोगी संस्थाएं हैं। इसके अलावा दस अन्य देशों में भी इस तरह का जाल बिछाया गया है। इसके लिए इन्हें विदेशों से जैसे राइट लाइवलिहुड फाउंडेशन, गोल्डमैन फाउंडेशन आदि संस्थाओं से लाखो-करोड़ों रुपए मिलते हैं। इनके द्वारा मध्य प्रदेश में भी अशांति फैलाई जा रही है। इतना ही नहीं वहां अराजकता फैलाने का काम ये कर रही हैं। आदिवासियों को बारूदी सुरंगें बिछाने की ट्रेनिंग दे रही हैं और आदिवासियों को राइफलें भी दी जा रही है। हाल ही में कई आदिवासियों के घर से राइफलें मिली भी हैं। यह देश के साथ जालसाजी है। इन्होंने जो लाखों रुपए नकद बैंक से निकाले हैं, उनका प्रयोग भी लोगों को उकसाने के लिए किया जा रहा है। पूरे देश के अंदर ऐसा कार्य चल रहा है। अभी मेधा पाटकर द्वारा नर्मदा घाटी के पांच जिलों में किए गए सत्याग्रह में सिर्फ 48 लोगों ने भाग लिया। उसमें भी तीन विदेशी थे। जब इसका विरोध वहां के 400 आदिवासियों ने निवाड़ सर्वोदय मंच के तत्वावधान में किया तो उनको घरों में जाकर पीटा गया। जिन लोगों ने पैसा लिया अपने स्थानांतरण के लिए उनको भी घरों में जाकर मारा-पीटा गया कि तुमने क्यों पैसा लिया है और क्यों सरकार के पास जाते हो। मेरी प्रार्थना है कि इस नर्मदा बचाओ आंदोलन के नाम पर जो गतिविधि चल रही है, उसे रोका जाए। अभी जो मध्य प्रदेश में मेहंदी खेड़ा में गोलीकांड हुआ, उसमें चार व्यक्ति मारे गए। एक भी व्यक्ति उनमें से वहां का नहीं था। बाहर से लोग लाकर वह सत्याग्रह कराती हैं और पर्यावरण के नाम पर गुजरात के विकास को रोक रही हैं। मेरी आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना है कि ऐसी गतिविधियां तुरंत बंद होनी चाहिए और इन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

श्री हरिभाई चौधरी (बनासकांठा) : सभापति महोदय, मैं भी अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।